

## न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी, बाड़मेर

पीठासीन अधिकारी श्री नवनीत कुमार, आर. ए. एस.

राजस्व अपील / 225 / रा.का.अधि. / 31 / 2025 / बाड़मेर

अपीलांत

बनाम

रेस्पोंडेंटगण

1. अणछी पत्नी जीयाराम	1. अनाराम पुत्र दीपाराम
2. जेठाराम पुत्र जीयाराम	2. मूलाराम पुत्र दीपाराम
3. गिरधारीराम पुत्र जीयाराम	3. चनणाराम पुत्र जैसा
जाति माली निवासी प्रभूओणी	4. नाथाराम पुत्र जैसा
मालियो का वास तहसील	5. लुंभाराम पुत्र जैसा जाति
बाड़मेर ग्रामीण जिला बाड़मेर	माली निवासी प्रभूओणी
	मालियो का वास तहसील
	बाड़मेर ग्रामीण जिला बाड़मेर
	6. स्टेट बैंक ऑफ वीकानेर एण्ड
	जयपुर शाखा पनघट रोड़
	बाड़मेर

अपील अन्तर्गत धारा 225 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 विरुद्ध उपखण्ड अधिकारी, बाड़मेर द्वारा राजस्व आवेदन संख्या 612/2024 बउनवान अनाराम बनाम चनणाराम में पारित आदेश दिनांक 24.02.2025 के विरुद्ध पेश हुई ।

उपस्थित

1. वकील श्री नारायण कुमावत अपीलान्त की ओर से ।
2. वकील श्री भवानी शंकर उतरदाता की ओर से ।

### निर्णय

दिनांक:-04.06.2025

अपील के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार हैं कि उतरदाता संख्या 01 से 02 ने अधीनस्थ अदालत में एक आवेदन अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत इस आशय का प्रस्तुत किया था कि प्रार्थी की खातेदारी का खेत मौजा प्रभूओणी मालियों का वास तहसील बाड़मेर ग्रामीण के खसरा संख्या 832/729 रकबा 0.4106 हैक्टेयर का आया हुआ है। प्रार्थी की जोत पर आने जाने हेतु का कोई कटाण रास्ता नहीं है। प्रार्थीगण को अपने खेत तक पहुंचने हेतु विप्रार्थीगण के खेत मौजा प्रभूओणी मालियो का वास तहसील बाड़मेर ग्रामीण के खसरा संख्या 731/565 रकबा 1.4650 हैक्टेयर में से रास्ता स्वीकृत करवाने हेतु हस्तगत आवेदन पेश किया गया। उपरोक्त रास्ते को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु हस्तगत आवेदन अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा हस्तगत प्रकरण में अपीलांत को सुनवाई का समुचित अवसर दिये बिना अपीलाधीन आदेश पारित किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जिस मौका रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए अपीलाधीन आदेश पारित किया गया उक्त मौका रिपोर्ट में वैकल्पिक रास्ते का अभाव सिद्ध नहीं किया गया। अधीनस्थ न्यायालय

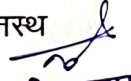
(नवनीत कुमार)  
राजस्व अपील प्राधिकारी  
बाड़मेर

द्वारा अपीलाधीन आदेश विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन किये बिना पारित किया गया, जिसके विरुद्ध हरतगत अपील पेश की जा रही है।

पत्रावली दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोंडेंट को जरिये सम्मन तलब किया गया। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली को तलब किया गया। उपस्थित उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्ताओं की पत्रावली पर बहस सुनी गई।

अपीलांटगण के विद्वान अधिवक्ताओं ने अपनी बहस करते हुए निवेदन किया कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश पारित करते वक्त अपीलांट को सुनवाई का समुचित अवसर नहीं दिया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्रस्तावित रास्ते से अपीलांट की खातेदारी भूमि को दो टुकड़ों में विभक्त किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्रस्तावित रास्ते में अपीलांट की ढाणी बनी हुई है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश में क्षतिपूर्ति हेतु राशि की गणना वर्तमान डी एल सी रेट पर नहीं की गई। उत्तरदातागण की खातेदारी भूमि में आवागमन हेतु खसरा संख्या 828/728 में रास्ता उपलब्ध है। मौका रिपोर्ट तैयार करते वक्त अपीलांट को मौके पर उपस्थित रहने बाबत कोई सूचना/नोटिस नहीं दिया गया। मौका रिपोर्ट एकतरफा तैयार की गई। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पुनः मौका रिपोर्ट मंगवाई उस वक्त मौका निरीक्षण तहसीलदार स्वयं द्वारा करना आज्ञापक था लेकिन तहसीलदार द्वारा मौका निरीक्षण नहीं किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा निकटतम रास्ते का विकल्प होने के बावजूद अपीलांटस की खातेदारी भूमि से दूर का रास्ता प्रस्तावित किया गया। उत्तरदाता संख्या 01 से 02 का प्रार्थना-पत्र पर स्वीकार कर आलोच्य आदेश प्राकृतिक न्याय सिद्धान्तों की अवहेलना करते हुए विधि के सुस्थापित सिद्धान्तों को नजर अन्दाज करते हुए पारित किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्रस्तावित रास्ते के स्थान पर कभी भी रास्ता नहीं रहा। अपीलाधीन आदेश से प्रस्तावित रास्ते की उत्तरदराता को कोई अत्यांतिक आवश्यकता नहीं थी केवल मात्र अपनी जोत के सुविधाजनक उपभोग एवं उपयोग के लिए रास्ते का आवेदन किया गया। रेस्पोंडेंटगण/प्रार्थी के पास वैकल्पिक रास्ते का विकल्प मौजूद होने के बावजूद अधीनस्थ न्यायालय द्वारा इस पर गौर किये बिना अपीलाधीन आलोच्य आदेश पारित किया गया। रेस्पोंडेंटस द्वारा अपीलांट को तंग एवं परेशान करने की नियत से अपीलाधीन आवेदन अधीनस्थ न्यायालय में पेश किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के विरुद्ध जाकर पारित किया गया जो प्राकृतिक न्याय सिद्धान्त के खिलाफ है। अतः अपीलांट की अपील स्वीकार कर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय निरस्त फरमाया जावे।

रेस्पोंडेंट के अधिवक्ता ने अपनी बहस करते हुए निवेदन किया कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलांटस को सुनवाई का समुचित अवसर दिया गया। अधीनस्थ

  
(नवनीत कुमार)  
राजस्थ अपील प्राधिकारी  
बाइमेर

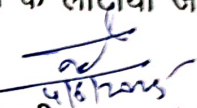
न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश मजमे आम में बहस सुनने के पश्चात पारित किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जो मौका रिपोर्ट मंगवाई गई उसके आधार पर रेस्पोंडेंट्स/प्रार्थी के खातेदारी भूमि में आने-जाने के लिए इस रास्ते के अलावा कोई सुगम वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध नहीं है। मौका रिपोर्ट में प्रस्तावित रास्ते की भूमि पर किसी प्रकार का निर्माण होने के संबंध में कोई तथा अंकित नहीं है। प्रस्तावित रास्ते पर किसी प्रकार का कोई घर नहीं है। रेस्पोंडेंट को उक्त प्रस्तावित रास्ते की अत्यंत आवश्यकता है। रास्ता रेस्पोंडेंट/प्रार्थी की मूलभूत आवश्यकता है जिसका प्रावधान राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 251 ए में किया गया है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन करते हुए पारित किया गया। अपीलांत द्वारा हस्तगत अपील पेश कर प्रकरण को अनावश्यक लंबा किया जा रहा है। अतः अपीलांत की अपील खारिज कर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित निर्णय को यथावत रखा जावे।

पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया। उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्ताओं की बहस पर मनन किया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश उभयपक्ष की उपस्थिति में बाद सुनवाई पश्चात पारित किया गया। उसके उपरांत हाजा न्यायालय द्वारा भी अपीलांतगण को सुनवाई का समुचित अवसर दिया गया लेकिन अपीलांतगण द्वारा अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलाधीन आदेश से प्रदत्त रास्ते के अलावा रेस्पोंडेंट्स की खातेदारी भूमि तक आने जाने हेतु किसी भी प्रकार के प्रदत्त रास्ते से सुगम निकटतम वैकल्पिक रास्ता का विकल्प नहीं बताया गया। अंतर्गत धारा 251 ए राजस्थान काश्तकारी अधिनियम का आवेदन एक समरी प्रक्रिया है जिसमें तकनीकी आधार पर प्रकरण का निस्तारण कर रेस्पोंडेंट्स को मिले रास्ते के वैधानिक अधिकार से महरूम नहीं रखा जा सकता। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्रस्तावित रास्ते के अलावा प्रार्थीगण/उत्तरदाता की खातेदारी भूमि तक पहुंचने हेतु कोई निकटतम विकल्प नहीं है। रेस्पोंडेंट्स/प्रार्थी को रास्ते की आत्यंतिक आवश्यकता और अन्य कोई सुगम विकल्प उपलब्ध नहीं होने से न्यूनतम दूरी वाला रास्ता दिया गया है जो नितांत विधि सम्मत एवं युक्तिसंगत है। तहसीलदार द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष पेश मौका रिपोर्ट में वर्णित दरों के अनुसार क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान किया गया। अपीलांतस द्वारा अपनी अपील में आपत्ति की है कि तहसीलदार स्वयं द्वारा मौका नहीं देखा गया जबकि माननीय राजस्व मण्डल राजस्थान अजमेर के लौट में ऐसे न्यायिक दृष्टांत हैं जिनमें यह प्रतिपादित किया गया है कि भू अभिलेख निरीक्षक बैंक के कर्मचारी द्वारा रास्ते के मामले में मौका देखा जाना न्यायसंगत है इसलिए अपीलांत की उक्त आपत्ति में कोई सार नहीं है। अपीलांतस द्वारा येन केन प्रकारेण मामले में अवरोध डालकर प्रकरण को अनावश्यक

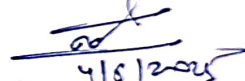
(नवनीत कुमार)  
राजस्व अपील प्राधिकारी  
बाइमेर

लंबा करने की नियत से हस्तगत अपील पेश की गई। अपीलाधीन आदेश अधीनस्थ न्यायालय ने विधि के प्रावधानों को दृष्टिगत रखते हुए बाद विस्तृत विवेचन दिया है जिसमें किसी प्रकार की कोई त्रुटि दृष्टिगोचर नहीं होती। अपीलाटगण की केवल हठधर्मिता के मददेनजर रैसपोडेंट/प्रार्थीगण को उसको मिले रास्ते के विधिक अधिकार से वंचित रखना न्यायोचित नहीं है। उपरोक्त विवेचन एवं तथ्यों के आलोक में अपीलाट की अपील सारहीन होने से खारिज करने योग्य ठहरती है।

लिहाजा अपील अपीलाट सारहीन होने से खारिज की जाती है तथा अधीनस्थ न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, बाड़मेर द्वारा राजस्व आवेदन संख्या 612/2024 बउनवान अनाराम बनाम चनणाराम में पारित आदेश दिनांक 24.02.2025 को यथावत रखा जाता है। सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, बाड़मेर द्वारा प्रस्तावित रास्ते के मामले में अन्य किसी प्रकरण में पारित स्थगन आदेश रास्ता खुलवाने में बाधा उत्पन्न नहीं करेगा। संबंधित तहसीलदार को आदेशित किया जाता है कि वह राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज रास्ते को सार्वजनिक आवागमन हेतु खुलवा कर सुचारु करे। अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख मय निर्णय प्रति के लौटाया जावे।

  
(नवनीत कुमार)  
राजस्व अपील प्राधिकारी  
बाड़मेर

यह आदेश आज दिनांक 04.06.2025 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
राजस्व अपील प्राधिकारी  
बाड़मेर  
(नवनीत कुमार)  
राजस्व अपील प्राधिकारी  
बाड़मेर